खबर संक्षेप

पॉस्को अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

मण्डला। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा पॉस्को अधिनियम 2012 विषय पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर भोपाल में आयोजित इस कार्यशाला में बाल कल्याण समिति मंडला के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र गुप्ता, किशोर न्याय बोर्ड मंडला के सदस्य श्रीमती सरिता अग्निहोत्री, महिला बाल विकास विभाग मंडला के सहायक संचालक श्री रोहित बड़कुल के अलावा जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक (शिक्षा विभाग), प्रभारी, विशेष किशोर पुलिस इकाई और सहायक आयुक्त/जिला संयोजक (जनजातीय विकास विभाग) के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ डॉ. विश्वास चौहान ने प्रतिभागियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम 2012 पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। सुश्री निर्मला भूरिया मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रीमती धर्मिष्ठाबेन वी. गज्जर, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, गुजरात और श्री द्रविन्द्र मोरे अध्यक्ष, मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बच्चों के प्रति अपराधों पर शासन के जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

वरिष्ठ मूल शाला के छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा रैली

मण्डला। वन स्टॉप सेंटर के निर्देशन में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ मूल शाला की छात्र-छात्राएं, वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास के समस्त कर्मचारी एवं विधिक सेवा प्राधीकरण से पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती सिखा श्रीवास्तव शामिल हुए। रैली का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के भीतर देशभक्ति की भावना को जगाना और हमारे राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में समझ विकसित करना है। तिरंगा रैली वरिष्ठ मूल शाला से निकलकर वन स्टॉप सेंटर में सम्पन्न किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर का भ्रमण भी कराया गया। छात्र-छात्रों को साईबर सुरक्षा, गुड टच-बेड-टच के बारे में बताते हुये आवश्यक हेल्पलाईन नम्बर 108, 181, 1098, 1930, एवं डायल 100 के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता-मंत्री श्रीमती उईके

5 दिवसीय आकांक्षा हाट का हुआ शुभारंभ

*** स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पांच दिन तक चलने वाले आकांक्षा हाट की सोमवार को जल संसाधन विभाग के विश्राम गृह प्रांगण में शुरुआत हुई। मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके एवं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। आकांक्षा हाट 15 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है।

मंत्री श्रीमती उईके ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय स्तर पर हमारे कारीगर हो या स्व-सहायता समूह की बहनें, इनके द्वारा बहुत ही अच्छे उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। मण्डला की बहनों द्वारा तैयार की जा रही गोण्डी पेंटिंग को जीआई टैग भी मिल चुका है। अंतिम पंक्ति के लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए प्रधानमंत्री तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार प्रयास करते है। प्रशासन लगातार इस दिशा में कार्य कर रहा है, चाहे मिलेट्स फेस्टिवल का आयोजन हो, चाहे शिल्पी मेला हो या फूड फेस्टिवल का आयोजन हो। सभी के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। आज आकांक्षा हाट में यहाँ पर 22 स्टाल लगाये गये हैं। अगले पाँच दिनों तक निश्चित रूप से लोग यहाँ आयेंगे और इससे स्व-सहायता समूह तथा अन्य कारीगरों को इसका लाभ मिलेगा।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि जिले के मवई और नारायणगंज का चयन आकांक्षी विकासखण्ड के रूप में किया गया था। आज का यह हाट प्रधानमंत्री श्री मोदी की 'वोकल फॉर लोकल' कल्पना को साकार करने का कदम है। हमारे लोकल उत्पादों को उचित बाजार मिले इसकी चिंता हमें करनी होगी। हमारे क्षेत्र की कोदो-कुटकी-रागी जैसी फसलों की अच्छी मांग है। मण्डला का शहद भी प्रसिद्ध है। उन्होंने मौजूद लोगों से इस हाट का प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

इससे पहले मंत्री श्रीमती उईके एवं सांसद श्री कुलस्ते ने हाट के सभी स्टाल का अवलोकन किया। इस दौरान आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की ओर से लगाए गए फूड स्टाल के व्यंजन भी चखे। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, अन्य जनप्रतिनिधि सहित संबंधित उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें-कलेक्टर

*** दबाव डालकर वापिस कराई जा रही हैं शिकायतें।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पिछले काफी समय से सप्ताह में लगभग दो बार जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभाग प्रमुखों को सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लेने की बात कही जाती रही है जिला कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर द्वारा लगातार इन विभागों की समीक्षा भी होती रही है और सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के विषय में अच्छा काम करने वाले विभाग प्रमुखों को पुरूष्कृत भी किया जाता रहा है बावजूद इसके सीएम हेल्पलाईन में शिकायत करने वाले अधिकांश शिकायतकर्ताओं की शिकायत है कि इस तरह के प्रकरण में बिना किसी समाधान या सुलझाने के महज आश्वासन देकर या डर दिखाकर शिकायतें वापिस कराई जा रही हैं और अपने अंक बढ़ाये जा रहे हैं। प्रशासन के डर से शिकायतकर्ता बेचारे खून का घूंट पीकर रह जा रहे हैं ऐसा न हो कि यह आक्रोश आगे जाकर शासन के लिये नुकसानदायक साबित हो जिसमें शासन के प्रतिनिधियों की कोई गलती नहीं होगी। शासन द्वारा तो सीएम हेल्पलाईन योजना प्रारंभ ही इसीलिये की गई है कि आम लोगों की समस्याओं का तुरंत निराकरण हो सके लेकिन विभाग के अधिकारी इसका दूसरा हल खोज रहे हैं और वे समाधान करने के स्थान पर शिकायतें ही वापिस करा रहे हैं और जिला प्रशासन इसी आधार पर उन्हें पुरूष्कृत करते जा रहा है कि कितनी शिकायतें थी और उनमें से कितनी वापिस ले ली गईं।

अच्छा तो यह होता कि जिनकी शिकायतें वापिस हुई है उनकी शिकायतें और समाधान को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सार्वजनिक किया जाना चाहिये एवं शिकायतकर्ता संतुष्ट है अथवा नहीं इसकी जानकारी भी मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचनी चाहिये।

जिला योजना भवन में समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें। जुलाई माह की शिकायतों के साथ-साथ 50 दिवस वाली शिकायतों पर भी फोकस करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में लेवल-4 अधिकारी, कमिश्नर (राजस्व) हैं, संबंधित विभाग एल-4 की शिकायतों को अविलंब बंद कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि अधिक संख्या में लम्बित प्रकरणों वाले विभाग दैनिक आधार पर लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्रतिदिन फॉलोअप करें। जिससे विभागीय रैंकिंग बेहतर करते हुए जिले की रैंकिंग में सुधार किया जा सके।

मिट्टी गणेश, सिद्ध गणेश प्रतिमा निर्माण विषय पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जनअभियान परिषद मंडला के मार्गदर्शन में 'मिट्टी गणेश-सिद्ध गणेश' प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के नवांकुर संस्था प्रतिनिधि, मेन्टर्स तथा विकासखण्ड समन्वयक के साथ-साथ माटीकला से जुड़े कलाकारों की सहभागिता से मिट्टी गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यशाला नर्मदा समग्र पूर्व संभाग समन्वयक श्री लालाराम चक्रवर्ती द्वारा दिया गया। नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वाधान में सम्पूर्ण प्रदेश में 10 लाख मिट्टी गणेश-सिद्ध गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में विकासखण्ड मंडला जिला मंडला में विकासखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन का किया गया।

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स की सहभागिता रही। आगे मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से सेक्टर स्तर पर मिट्टी गणेश-सिद्ध गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा और यह कार्य गाँव-गाँव में अभियान के रूप इन चलाया जाएगा। आने वाली गणेश चतुर्थी में पर्यावरण के अनुकूल एवं प्रदूषण मुक्त गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इस अवसर पर जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी एवं माटीकला से जुड़े माटीशिल्पी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री श्रीमति उईके ने लिया मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

14 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मण्डला में संभावित प्रवास को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उईके एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने मुख्य कार्यक्रम स्थल तथा हेलीपेड का अवलोकन करते हुए तैयारियों का जायजा लिया। कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उईके ने कहा कि मुख्य कार्यक्रम स्थल पर मंच एवं टेंट व्यवस्था, बेरीकेटिंग, विद्युत व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, मीडिया सेंटर, पेयजल, पार्किंग आदि के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार हेलीपेड में सुरक्षा, बेरीकेटिंग, फायरब्रिगेड आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उईके ने कहा कि सभी तैयारियां समय से पहले पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य श्री शैलेष मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर आकिप खान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अभियान | **गणमान्य नागरिक, केबिनेट मंत्री, सांसद, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी रहे शामिल।**

हर घर तिरंगा अभियान, भव्य वाहन रैली

*** तिरंगा अभियान के प्रति जन समर्थन हेतु हस्ताक्षर अभियान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पूरा देश आजादी के 79वे अमृत महोत्सव मना रहा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत आज मंडला में भव्य वाहन रैली एवं हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस ग्राउंड, मंडला से प्रारंभ हुई इस रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। तिरंगे झंडे लहराते हुए प्रतिभागियों ने पूरे शहर में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मध्यप्रदेश शासन, श्रीमती सम्पतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा तथा सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा सहित नगर के वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। वाहन रैली पुलिस ग्राउंड से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य चौराहों एवं महाराजपुर क्षेत्र से होते हुए पुनः पुलिस ग्राउंड पहुँची।

वाहन रैली में शामिल केबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ने अपने संदेश में कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' केवल स्वतंत्रता की गौरवगाथा नहीं सुनाता, बल्कि यह हमारी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का अमिट प्रतीक है।

आइए, इस गौरवशाली अभियान में सभी सक्रिय भागीदारी निभाएं। अपने घर, कार्यालय, दुकानों और वाहनों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान को व्यक्त करें। हम सब मिलकर इस अभियान को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं और विश्व को एक सशक्त, एकजुट और गर्वित भारत का संदेश दे।

तिरंगा केवल हमारी स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं, बल्कि यह हमारी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का भी प्रतीक है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने घरों, कार्यालयों, दुकानों और वाहनों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करें।

हस्ताक्षर अभियान एवं डिजिटल पहल

रैली के साथ-साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति जनसमर्थन जुटाने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया। इसमें उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हस्ताक्षर कर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह पहल इस संकल्प का प्रतीक थी कि हर व्यक्ति स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने में भागीदार होगा। साथ ही, लोगों को प्रोत्साहित किया गया कि वे तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी लेकर harghartiranga.com पर साझा करें, ताकि यह संदेश अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुँच सके।

संस्कृत भारती मंडला की बहनों ने सीआरपीएफ जवानों को बांधी श्रद्धा और सम्मान की राखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र और अटूट रिश्ते का प्रतीक पर्व है, जिसे देशभर में उल्लास और प्रेम के साथ मनाया जाता है। इसी कड़ी में संस्कृत भारती महाकौशल प्रांत, जिला मंडला की बहनों ने 148वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को वाहिनी मुख्यालय, पुलिस लाइन मंडला में राखी बांधकर उनका सम्मान किया।

कार्यक्रम के दौरान बहनों ने जवानों के माथे पर तिलक लगाया, रक्षा सूत्र बांधा और मिठाई खिलाकर दीर्घायु, सुरक्षा एवं कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर संस्कृत भारती जिला मंत्री पूजा ज्योतिषी, बाल केंद्र प्रमुख अनंता कोरी, नगर संयोजिका सुशीला ज्योतिषी, सदस्य अर्चना जाट और वंदना राणा और पत्रकार दीपक जाट उपस्थित रहे। 148वीं वाहिनी के कमांडेंट विक्रांत सारंगपाणि ने बहनों के इस भावनात्मक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मनोरंजन कुमार (उप कमांडेंट) सूबेदार मेजर देवनारायण पटेल, उप निरीक्षक मोहनदास बंजारे, बी.एच.एम. देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी और जवान भी मौजूद रहे। यह अनूठा आयोजन न केवल रक्षाबंधन की परंपरा को सशक्त बनाता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सैनिक सिर्फ सीमा के प्रहरी ही नहीं, बल्कि हर नागरिक के सच्चे रक्षक और भाई भी हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आने वाली स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ धूमधाम से मनाये जाने की तैयारियाँ जहां शिक्षण संस्थाओं में शुरू हो चुकी है। वही दूसरी ओर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बीते हुये दिवस स्थानीय शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रो ने रैली निकालकर देश भक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। बताया जाता है कि निकाली गई यह तिरंगा रैली विद्यालय परिसर से प्रारम्भ होकर रूद्र मैदान सहित नगर में भ्रमण करते हुए वापिस विद्यालय में परसिर में पहुंचकर समाप्त हुई। इस रैली में छात्र हाथ में तिरंगा झंडा लिए देश भक्ति के नारे लगा रहे थे। रैली के समापन पर प्राचार्य एस के मिश्रा ने कहा कि सभी छात्र अपने आस पास के लोगो को तिरंगा अभियान का संदेश देंगे और हर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करेगे। वही रैली के आयोजन में आर पी महिलांग, अर्चना नामदेव, राजीव नाहर, आभा मिश्रा, रंजीत सराठे, जय प्रकाश मालवीय सहित स्कूल स्टॉफ के सभी सदस्य व छात्र मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मण्डी एवं नपा काम्प्लेक्स दुकानदारों पर लाखों रूपया राशि बकाया

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी द्वारा अपनी राजस्व आय बढ़ाने शापिंग काम्प्लेक्स दुकानों का निर्माण कराया गया था,लेकिन जिसमें कृषि उपज मण्डी द्वारा 152 दुकानों का निर्माण कराया गया था तथा नगर पालिका द्वारा संजय गांधी मार्केट में 13 दुकाने, गांधी मार्केट में 11 दुकाने व इंदिरा शापिंग काम्प्लेक्स में 64 दुकाने तथा कामथ काम्प्लेक्स में 24 दुकाने, पं. दीनदयाल बस स्टैण्ड में 10 दुकाने, चीचली रोड पर स्थित काम्प्लेक्स में 10 दुकानों का निर्माण कराया गया था। जिसमें से इन शापिंग दुकानों में से 126 दुकाने नगर पालिका द्वारा किराये से दी गई है। मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि कुछ लोगों द्वारा इन दुकानों को अपनी जुगाडू व्यवस्था के चलते किराय से लेकर अन्य दूसरे को किराय पर दे रखी है, जिनका किराया विगत लम्बे समय से न तो मंडी कार्यालय में जमा हो रहा है ओर न ही नपा में जिसके कारण इस समय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी प्रशासन को दुकानदारों से 30 लाख रूपया से ऊपर तथा नगर पालिका प्रशासन को कई लाख रूपया से ऊपर की राशि इन दुकानदारों से किराय के रूप में लेना बाकी निकल रहा है..? इन दुकानदारों में कुछ दुकानदारो की स्थिति तो कुछ इस प्रकार से बताई जाती है कि जिनका किराया लाख रूपया से ऊपर है। वही मंडी एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा बकाया किराया वाले दुकानदारों पर नियमानुसार नोटिस देकर दुकान खाली कराने का अधिकार होने के साथ साथ किसी शासकीय संपत्ति के संबंध में बताया जाता है कि जो व्यक्ति यदि किराय से लेता है तो उसका उपयोग वही करता है किरायदार को किराय से देने का अधिकार नही होता है मगर इसके बाद भी अनेक दुकान नियाम के खिलाफ किरायदार से किरायदार के रूप में चल रही है, लेकिन आज तक ऐसी कोई कार्यवाही मंडी एवं नगर पालिकस प्रशासन द्वारा की नही गयी, हालांकि मंडी एवं नगर पालिका वसूली अधिकारी का कहना है कि हम बकायादारों से राशि जमा करने की बात कहते रहते है, बहरहाल मंडी एवं नगर पालिका शापिंग काम्प्लेक्स से लाखों रूपयो की बकाया राशि बसूल न किया जाना नगर पालिका एवं मंडी प्रशासन की उदासीनता को उजागर करता है।

कहीं कुत्तों से न फैल जाए बीमारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में जान पड़ रहे है, इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है। वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका है? यूं फैलती है बीमारी-आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है, पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है। लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी मुख्य कारण है, प्रदूषित पानी पीने या प्रदूषित धूल कण में लेटने से भी खुजली की बीमारी की समस्या पैदा हो रही है। इंसानों को भी खतरा-पशु चिकित्साकों के अनुसार खुजली से पीड़ति कुत्तें बीमारी से परेशान होकर इधर उधर तेजी से घूमतें है, जिससे पास से निकलने वाले लोगों को भी इनके कीटाणु फैलतें है, बच्चों को अधिक सावधानी रखनी चाहिए क्योंकि बच्चों में नासमझी की वजह से बच्चों के इनके सम्पर्क में आने या छू लेने से उन्हे भी बीमारी लगने की संभावना रहती है। मुहिम चालाई जाए- क्षेत्र में घूमते आवारो कुत्तों में खुजली रोग ज्यादा फैल रहा है, गलियों तथा सड़कों पर घूमतें खुजेरिया कुत्तों से बच्चों को बचाने की चिंता अभिभावकों कों सताने लगी है, शहर के आवारा कुत्तों में तेजी से यह बीमारी फैल रही है, नगरपालिका को पशु चिकित्सालय की सहायता से ऐसे कुत्तों का उपचार करवाकर इन्हें शहर से दूर जंगल में छोड़ा जैसी पहल चलना चाहिए।

स्कूल प्रबंधन व पहरेदारों की अनदेखी का परिणाम, नाबालिग किशोर किशोरिया धड़ल्ले से बाइक चलाते हुये पहुंच रहे शिक्षण संस्थाओं में...

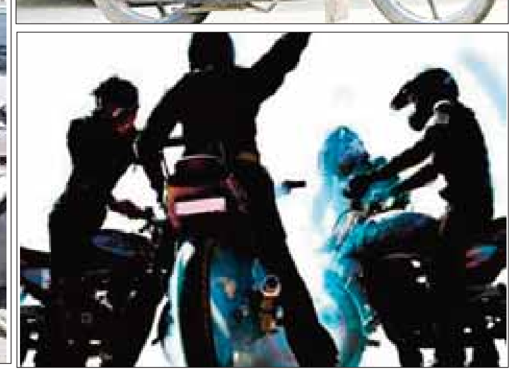

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसें ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबांलिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे है..? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है। क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों अनेक स्कूलों 12 वर्ष सें लेकर 18 वर्ष से कम आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिखाई देना आम बात बन चुकी है। इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या फिर भौतिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के नाबांलिग बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूक रही है...? अक्सर देखा जाता है कि इन बच्चों में आगे निकलनें की होड़- स्कूली विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरें से आगे निकलने के लिए रेस लगाते हुये तो देखे ही जाते है। साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अनोखे करतबो का प्रदर्शन भी भीड़ भरी सड़को पर रोजना करते हुए आसानी से देखे जाते है। मगर हैरत की इस बात की है कि इनके अभिभावक से लेकर स्कूल प्रबंधन भी इन खतरों सें भलि भांति वाकिफ है.. इसके बाद भी चुप्पी मासूमों की जिन्दगी को खतरे में ले जाने से नही चूक रही है..? इस प्रकार भौतिक संसाधनों कें उपयोग और थेड़ी सी लापरवाही को जानकार भी अनजान बनें हुए है। स्कूल लगने व छूटने के समय नगर की सड़कों पर देखा जावे तो स्कूली ड्रेस के साथ कई किशोर व किशोरियाँ जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर वह बैठे हुए होते है उनका बाइक व स्कूटी के ब्रेकों तक पैर तक नही पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर फर्राटे मारते हुये आसानी से देखा जा सकता है। इतना ही नही यह लोग नगर कें प्रमुख मार्गो पर हार्न बजातें हुए और तेज गति से वाहन दौड़ातें हुए रोजाना देखे जा सकते है। कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते हाते बच जाते है..? मगर इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और नही उनके अभिभावक जिसके चलते वाहन दौड़ाने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है..? यह बात अलग है कि जब उच्च स्तर से आदेश आते है तो नगर का प्रशासन बच्चों को समझाईश देने के लिये स्कूलों में पहुंचकर 18 साल से कम उम्र वाले बच्चों को वाहन न चलाने की हितायत देते हुये जरूरी सुना जाता है। मगर अधिकारियों द्वारा किये जाने वाली यह जागरूकता मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के साथ साथ अपने वरिष्ठ अधिकारियों को फोटो भेजने तक ही सीमित होने रहने से नही चूक पाती है? इसी का परिणाम में की नगर की शिक्षण संस्थाओं में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चें खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये स्कूलों में वाहन लेकर पहुंचते हुये देखे जा रहे है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये समय में अनेकों पर जब जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा नगर के पुलिस थाने में जनता के बीच संवाद कार्यक्रमों का आयोजन आयोजित किये गये उस दौरान इस तरह नाबांलिग किशोर व किशोरियों द्वारा वाहनों से स्कूल जाने की बात का मुद्दा प्रमुखता से सामने रखे जाने पर अधिकारियों को यह भरोसा दिलाते हुये जरूर सुना जाता रहा है कि अब यदि इस तरह जिन स्कूलों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे बाइक या स्कूटी चलाते हुये स्कूल जाते हुये दिखाई देते है तो शिक्षण संस्था प्रबंधन बच्चों के अभिभावक जिनके द्वारा अपने नाबांलिग बच्चों के हाथों में इस तरह वाहन सौपते हुये बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को खतरा पैदा कर रहे है उनके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी। यातायात पुलिस अधिकारियों का यह भरोसा मात्र बैठकों तक ही सीमित रहने का परिणाम है कि आज तक न तो इस तरह सड़को पर वाहन चलाने वाले किसी नाबांलिग किशोर व किशोरियों तथा संबंधित शिक्षण संस्था के साथ उनके अभिभावकों के खिलाफ किसी तरह की कार्यवाही न होने के चलते इस तरह नगर में खुलेआम हाई फाई संस्थाओं के नाबांलिग छात्र छात्राओं को शहर की सड़को पर अपनी स्कूली ड्रेस के साथ धडल्ले से वाहन दौडाते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है..? इस सच्चाई को देखकर लोग हैरत में तो उस समय पड़ने से नही चूक पाते है । जब इस तरह कम उम्र के नाबांलिग किशोर व किशोरी ठीक पुलिस थाने के समाने जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों के सामने से ही अपने दो पहिया वाहनों को फर्राटे के साथ निकलते हुये देखे जाते है। इस सच्चाई को लेकर जब आमजन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यदि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाना है तो यातायात पुलिस प्रशासन द्वारा सबसे पहले तो उन स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही करना चाहिये जिन स्कूलों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे दो पहिया वाहन लेकर स्कूल पहुंच रहे है। क्योंकि इस तरह 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चें जब दो पहिया वाहन चलाते हुये स्कूल जाते है तो वह स्कूली ड्रेस में होने के कारण उनकी पहचान आसानी से की जा सकती है। मगर स्कूल प्रबंधन व पेहरेदारों की उदासीनता के चलते नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार होने की जगह बदहाल होते हुये देखा जा रहा है।

ब्रह्मकुमारी प्रजापिता सेंटर में मनाया गया रक्षाबंधन सहित काजलिया मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

भाई बहिन के प्रति स्नेह का त्यौहार के दूसरे दिवस एक दूसरे के बीच स्नेह का संबंध स्थापित करने वाला कजलिया पर्व शहरों से लेकर गांव गांव तक बडे ही प्रेम के साथ मनाया जाता है। इसी प्रकार से हर साल नगर के ब्रह्मकुमारी प्रजापिता सेन्टर बहिनों द्वारा अधिकारियों से लेकर सेन्टर से जुडे हुई भाईयों का राखी बाधी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे दिवस कजलिलया पर्व बडे ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसी प्रकार से इस वर्ष भी रक्षा बंधन के साथ कजलिया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। नगर के ओम शांति सेंटर लक्ष्मी टाउनशिप में सेंटर प्रमुख दीदी उर्मिला साधना एवं अन्य सभी बहिनों के माध्यम से समस्त नगर वासियों को रक्षाबंधन की उपलक्ष में आयोजित किये इस कार्यक्रम के दौरान नगर के नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, थाना प्रभारी विक्रम रजक के आलवा पुलिस थाने में पदस्थ अन्य अधिकारी व पुलिस कर्मियों में संजय डोगरे, अनिल कुमार, शिशुपाल तोमर के आलवा रेल पुलिस थाने के लक्ष्मण प्रसाद झारिया एस एस आई धुर्वे, मेहताब सिंह, राजकुमार,पप्पू यादव तथा विधानसभा प्रतिनिधि नीलेश साहू,रोटरी क्लब के अशोक राजपूत, राम रोटी संस्था के विशाल ठाकुर, डॉ.संगीत जैन, दिनेश चौकसे, कैलाश विश्वकर्मा सहित ओम शांति सेंटर के सभी सदस्यों को राखी बांधते हुये आर्शीवाद प्रदान किया गया।

शिक्षक सन्दर्भ समूह द्वारा 18 अगस्त को पुस्तकालय दिवस मनाने की शुरू की गई तैयारियाँ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शिक्षक संदर्भ समूह द्वारा विद्यालयों में आने वाले 18 अगस्त तक पुस्तक सप्ताह आयोजित करने की तैयारी की गई हे। इस संबंध में समूह की राज्य स्तरीय संचालन समिति के सदस्य मधु सूदन पटैल एवं सिराज अहमद सिद्धिकी ने बताया कि पुस्तक सप्ताह के अंतर्गत शिक्षक पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को सम्हाल सकते हैं और उन्हें बच्चों के उपयोग के लिए तैयार कर सकते हैं। स्कूलों में बाल पुस्तक समिति का गठन करते हुए जो बच्चे ठीक से पढ़ सकते हैं उन्हें तेज आवाज में पढ़ने का अवसर देने के लिए पठन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वही जो बच्चे कविताएं बोल सकते हैं उनके लिए बालसभा में बाल कवि सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। प्रार्थना सभा में अखबार को पढ़कर बच्चे प्रतिदिन मुख्य समाचार का वाचन करेंगे। शिक्षक गण बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए उपहार स्वरूप लेखन सामग्री भेंट कर सकते हैं। आज 12 अगस्त को पुस्तकालय दिवस समारोह आयोजित कर विद्यालय के पूर्व छात्रों को आमन्त्रित किया जा सकता हैं। पुस्तकालय दिवस समारोह में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और सभी सदस्यों को आमन्त्रित कर सकते हैं। इसी दिन सभी पालकों को सादर आमन्त्रित कर उनकी बातें सुनकर विद्यालय के लिए बाल सहयोगी पालक मंच का गठन कर सकते हैं। समारोह में उपस्थित अतिथियों को पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान कर किया जावेगा।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी..? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और दो वर्ष बीत चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का आनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो को पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है। दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है, भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

गाड़ियों में लगे नये हॉर्न कर रहे है राहगीरों को परेशान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

नगर में इन दिनों दिन प्रतिदिन बढ़ती वाहनो की संख्या भी यातायात व्यवस्था को बाधित करने में लगी हुई है, वही इन वाहनों में तरह तरह के लगे हॉर्न जो आम राहगीरो को परेशान करते नजर आ रहे है, बेचारे आम राह पर चलने वाले राहगीर ही ऐसे वाहनों के पास से निकलतें ही अपने कान बंद करना वेहतर समझतें है, क्योकि इसे रोकने हेतु प्रशासन द्वारा तो कोई विशेष पहल की नही जा रही है जिससे ऐसे कान फोडू हॉर्न से आमजनों को राहत मिल सके। शहर में कई बाइकों में तो पुलिस सायरन जैसें हॉर्न लगे हुए है, जिनके आम रास्ते से निकलने पर आमजन एकदम तो सहम जाते है। लेकिन इससे आमजनो को कितनी परेशानी उठानी पड़ती है यह तो वही जानते है? वैसे भी आजकल तो तेज आवाज वाले स्पीकरो पर रोक लगी होने के बाद भी शहर के भीड़ भरे बाजारों में ऐसे हॉर्न जरूर आमजनों को परेशान करते हुए दिखाई देते है, कभी कभी तो एक बाइक पर तीन तीन व्यक्ति बैठे तेज स्पीड के साथ शहर के व्यस्ततम रास्तो पर यही कान फोडू हॉर्नो बजाते हुए निकल जाते है और इन मार्गो पर प्रशासनिक अमला भी दिखाई देता है, लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि वे पूर्ण सजगता के साथ खडे दिखाई नही देते, अन्यथा ऐसे बाइक सवारो को निश्चित रूप से कार्यवाही को अंजाम दिया होता तो कान फोडू हार्न लगाने वालो के मन में भय होता मगर ऐसा नही होने की स्थिति में इनके हौसले बुलंद नजर आ रहे है। आमजनो ने मांग की है कि वाहनों पर लगें ऐसे कान फोडू हॉर्नो वाली वाहनों को कार्यवाही की जद में लिया जावे, जिससे राहगीर को अनावश्क रूप से परेशानी न उठाना पड़े।

पशु केन्द्रों में आये दिन लटके दिखाई पड़ रहे ताले, बारिश सीजन में फैलती है बीमारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य करने वाले लोगों को उनके पालतू पशुओं का जरूरत पड़ने पर समय समय पर इलाज होने के साथ साथ पशु संबंधी जरूरी जानकारियों प्राप्त करने के लिए जहां तहां पशु केन्द्र स्थापित किये गये है। मगर देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित इन पशु केन्द्रो में अधिकांश समय मात्र ताला लटका होने के कारण जहां यह मात्र शोभा की सुपारी बन कर रहे गये है? वही दूसरी ओर इन पशु केन्द्रो के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को कोई लाभ मिलता हुआ जान नही पड़ रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में बने हुये पशु चिकित्सा केन्द्र सहित अन्य ग्रामों में स्थापित केन्द्रा में भी देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि जब क्षेत्र के किसान जरूरत पड़ने पर अपने पशुओं को लेकर यहां पर पहुंचते है तो वहां पर मात्र ताला लटका हुआ ही मिलने के कारण वह निराश होकर बापिस हो जाते है। जबकि गौर किया जावे तो इस समय चल रहे बारिश के दौर में पशुओं में अनेक प्रकार की बीमारी फैलने का भय रहता है।

खबर संक्षेप

नवागत अपर कलेक्टर ने संभाला पदभार

डिंडौरी । सोमवार को नवागत अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने पदभार ग्रहण किया। श्री यादव 2014 बैच के राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। श्री यादव इसके पूर्व मंडला जिले में पदस्थ रहे। पदभार ग्रहण के पश्चात उन्होंने जिले में प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकताओं पर चर्चा की और कहा कि वे आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए तत्परता से कार्य करेंगे। श्री यादव ने जिले के विकास कार्यों को गति देने एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देने की बात कही।

प्रांतीय निकाय की मांगों को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

डिंडोरी। प्रांतीय निकाय द्वारा निर्धारित मांग पत्र को लेकर दिनांक 11 अगस्त को क्षेत्रीय विधायक माननीय श्री ओमकार सिंह मरकाम के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र महदेल एवं ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भुगतानकर्ता से पूछना छोड़ सप्लायर्स को सीईओ दे रहे नोटिस

कुछ सप्लायर्स बोले GST भी चुकाया, हमसे अवैध पैसे मांगे जा रहे

जनपद पंचायत डिंडोरी के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये के भुगतान ऐसे बिलों पर किए गए हैं जो या तो बिना GST नंबर के, या धुँधले और अपूर्ण हैं। इस मामले में सप्लायर्स को एक साथ शोकॉज नोटिस (SCN) जारी कर दिए गए हैं, जबकि कई सप्लायर्स का कहना है कि उन्होंने सभी टैक्स नियमों का पालन किया है।

डिंडौरी ।

अब इस मामले में एक और गंभीर मोड़ आया है कुछ सप्लायर्स ने आरोप लगाया है कि उनसे अवैध रूप से पैसे की मांग की जा रही है। सप्लायर्स का बड़ा आरोप भुगतान के बाद अब पैसे मांगे जा रहे हैं कुछ सप्लायर्स ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ग्राम पंचायत में सामान सप्लाई करने के बाद वैध बिल और GST इनवॉइस देने के बावजूद उनसे कहा जा रहा है कि जो अतिरिक्त भुगतान हुआ है, उसे सैटेल करना होगा या फिर समस्याएं खड़ी होंगी।इन आरोपों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि भुगतान प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की संभावनाएं मौजूद हैं।

सब सप्लायर्स दोषी नहीं, फिर नोटिस क्यों?

बड़ी संख्या में ऐसे सप्लायर्स हैं जिन्होंने नियमों के अनुसार वैध GST नंबर वाला बिल दिया, टैक्स जमा किया। GST रिटर्न भरा फिर भी उन्हें भी नोटिस जारी किया गया है। सप्लायर्स का कहना है कि:जिन्होंने ग़लत बिल दिए हैं उनसे जांच होनी चाहिए। लेकिन जिन्होंने नियमों का पालन किया, उन्हें परेशान क्यों किया जा रहा है? सीईओ अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कर रहे कार्रवाई?

डिंडौरी जनपद के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), जिनका मूल पदस्थापन मेहँदवानी जनपद पंचायत में है, डिंडोरी में केवल अतिरिक्त प्रभार में हैं। वे सप्ताह में केवल 2-3 दिन ही डिंडोरी में रहते हैं।इसके बावजूद, उन्होंने बिना पूरी जांच सीधे सप्लायर्स को नोटिस भेजना शुरू कर दिया, जबकि यह मामला मूलतः वाणिज्यिक कर विभाग (GST विभाग) का है। यह कार्रवाई प्रशासनिक सीमाओं और प्रक्रिया का उल्लंघन मानी जा रही है। अब सवाल उठ रहे हैं कि जिम्मेदार सरपंच और सचिव से कोई जवाब क्यों नहीं मांगा जा रहा है?

निष्पक्ष जांच की मांग, भ्रष्टाचार की जांच हो

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने मांग की है कि जिसने भी जीएसटी का पालन नहीं किया, उस पर कार्रवाई हो, जिसने टैक्स भरा और सही दस्तावेज़ दिए, उन्हें परेशान न किया जाए, पैसे की अवैध मांग की जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई की जाए, प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच हो। डिंडोरी जनपद पंचायत में सामने आया यह मामला केवल बिलों की गड़बड़ी तक सीमित नहीं है। इसमें प्रशासनिक अनियमितता, अधिकार क्षेत्र से बाहर कार्रवाई, और अब भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप भी जुड़ गए हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक सम्पन्न

डिंडौरी । कलेक्टर की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए एवं योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सही समय पर पहुंचे। उन्होंने अवैध परिवहन की गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु स्थापित चेक पोस्ट की प्रभावशीलता की समीक्षा की गई और निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए। खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन पर कार्यवाही की जानकारी ली। डुप्लिकेट और समय पर ई.केवाईसी से संबंधित प्रगति पर विभागीय समीक्षा की। पेंशन, समग्र रजिस्ट्रेशन, बीज, खाद वितरण जैसे जनकल्याणकारी योजनाओं में लंबित प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। और राजस्व एवं वन अधिकार पत्र से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सीएमओ नगर परिषद को सीएम हेल्पलाइन, ईकेवाइसी की प्रगति एवं लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार परिवहन अधिकारी डिंडौरी को सीएम हेल्पलाइन एवं नियमित रूप से यात्रीबसों में नियमित निरीक्षण, फिटनेस प्रमाण पत्र जांच कर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खनिज अधिकारी को अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन, अवैध भंडारण एवं अन्य खनन से संबंधित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने पीएचई कार्यपालन यंत्री अफजल इमाम उल्ला खान को सौंपे गए छात्रावास की जिम्मेदारी पूर्ण रूप से निर्वहन करने एवं छात्रावास में आवश्यकता के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने हेतु एसडीएम, तहसीलदार को समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समस्त सीईओ को इे-केवाइसी, समग्र आईडी, आधार कार्ड, राहत प्रकरण, अतिवृष्टि/बाढ़ से हुई क्षति की राहत राशि, सर्पदंश के प्रकरण एवं पोर्टल इनरोलमेंट, फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की गई। प्राप्त लक्ष्य की तुलना में कम कार्य करने वाले जनपद सीईओ पर कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने समस्त कार्यालयों में ई-ऑफिस संचालित की समीक्षा की। उन्होंने पेंशन एवं अनुकंपा नियुक्ति की विस्तृत समीक्षा की। सीएम हेल्पलाइन पर उचित जवाब देने के निर्देश दिए। साथ ही कमिश्नर के लंबित प्रकरण एवं कृषि विभाग के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली।

कलेक्टर ने संबंधित विभागों के लंबित कार्यवाही विवरण के पालन प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। और डिप्टी कलेक्टर को नियमित रूप से अवलोकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अधिकारी लगातार मुख्यालय से अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिसे उन्हें तीन दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विभागों की संचालित ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा कर समीक्षा की। और जिन विभागों के द्वारा ई-ऑफिस अभी चालू नहीं किया गया उन्हें शीघ्र संचालित करने के निर्देश दिए।

ट्रांसपोर्ट नगर बना मंडी प्रांगण, खाली मैदान में वाहनों का लगा रहता हैं जमावड़ा, किसानों के नाम पर मिलने वाली सुविधाओं नदारद, जिम्मेदारों को नहीं मतलब

हरिभूमि न्यूज करंजिया

डिंडौरी जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर की कृषि उपज मंडी वर्तमान में दिखावा का केंद्र बन कर रह गई हैं क्योंकि यहां न तो किसानों की उपज का बोली लगाया जाता और न ही किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का अता-पता हैं बल्कि इसके विपरित मंडी के खाली परिसर को वाहनों को खड़े करने का उपयुक्त स्थान बना लिया गया हैं यघपि अनाज मंडी के रूप में पहचान रखने वाला गोरखपुर स्थित कृषि उपज मंडी कार्यालय आज दुर्दशा का शिकार है। अब स्थायी वाहन पार्किंग, रेत कारोबार और असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका हैं।

पांच दशक पहले स्थापित - इस मंडी से सरकार को हर साल लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन विकास कार्य के नाम पर यहां हालात जस के तस हैं। मुख्य द्वार केवल नाम मात्र का गेट हैं यहां से वाहनों का आवागमन और अवैध कब्जे आसान हो गए हैं। वहीं लोगों ने इसे आने जाने का आम रास्ता बना लिया हैं।

मैदान पर कब्जा, रेत कारोबारियों का बोलबाला

स्थानीय लोगों का कहना है कि मंडी परिसर अब मंडी बोर्ड का नहीं, बल्कि रेत कारोबारियों सहित अवैध गतिविधियों के संचालन तथा वाहन मालिकों का अड्डा बन गया है। ट्रक और डंपरों से यहां रेत उतारी और जमा की जाती है। शाम होते ही प्रांगण में असामाजिक तत्व शराबखोरी, विवाद और मारपीट की घटनाओं में लिप्त रहते हैं। जबकि दिन में जुएं के फड़ सजे रहते हैं लिहाजा डर के माहौल में लोग इनकी शिकायत करने से कतराते हैं। इसलिए इन अवैध कारोबार एवं अनैतिक काम में लगे लोगों के हौंसले बुलंद हैं।

किसानों और व्यापारियों के लिए नहीं कोई सुविधा

हालात इतने खराब हैं कि यहां अब न तो अनाज की खरीदी-बिक्री होती है, न ही किसानों के लिए कोई बुनियादी सुविधा मौजूद है। जबकि शासन प्रशासन ने मंडी बोर्ड का गठन कर किसानों के हित में अनेकों योजनाएं बनाई हैं अब सवाल यह उठता हैं कि जब मंडी में किसानों के अनाज के किसी प्रकार की खरीदी बिक्री नहीं किया जा रहा हैं तो उन योजनाओं का लाभ कौन ले रहा हैं क्या सिर्फ कागज में बढ़िया लिखकर काम तो नहीं चलाया जा रहा यह जांच का विषय हैं स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि शासन से मिलने वाली विकास राशि का सही उपयोग नहीं हो रहा, बल्कि वह अन्यत्र खर्च कर कागजों में ठीक ठाक दर्शा दिया जाता हैं।

सफाई व्यवस्था ठप, बीमारियों का खतरा

मंडी परिसर में वर्षों से सफाई नहीं हुई। बारिश के मौसम में मैदान में बरसाती घास और कचरे के ढेर लग जाते हैं, जिससे जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। घरों के निस्तार का पानी सीधे मैदान में गिर रहा है, जबकि कुछ लोग इसे खुले शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

स्थानीयों की मांग तुरंत कार्रवाई हो

गोरखपुर और आसपास के लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मंडी परिसर को अव्यवस्था से मुक्त कराया जाए,और किसानों की सुविधाओं को बहाल कर नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत कराया जाएं साथ ही असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगे और सफाई व्यवस्था तत्काल बहाल हो। अन्यथा यह ऐतिहासिक मंडी, जो कभी किसानों की आर्थिकी का केंद्र रही, पूरी तरह से अपने अस्तित्व को खो देगी। जब मंडी कार्यालय एवं परिसर की अव्यवस्था को लेकर मंडी सचिव फूलसिंह गौड़ का पक्ष जानने के लिए उन्हें मोबाइल से फोन लगाया गया तो वह काल रिसीव नहीं किए और न ही जानना चाहा कि क्यों फोन किया गया था बहरहाल जिम्मेदार अधिकारी के इस रवैए ने मनमानी और अपने कर्तव्यों पर उदासीन रहने वाले छवि को सामने लाया हैं।

इनका कहना है

मंडी में वाहनों को न खड़े किया जाएं इसके लिए तत्काल निर्देश जारी किया जा रहा हैं वहीं किसानों की उपज की खरीदी बिक्री प्रक्रिया की जानकारी लेता हूं और परिसर को व्यवस्थित करने के लिए संबंधित अधिकारी कर्मचारियों से बात करता हूं।

शैलेष गौर नायब तहसीलदार करंजिया

स्कूल का भवन हुआ जर्जर जान जोखिम में डाल शिक्षा अध्ययन करना बनी मजबूरी

डिंडौरी ।

मप्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने को लेकर अनेकों योजनाएं बनाकर हरसंभव प्रयास कर रही हैं लेकिन नुमाइंदों की लापरवाही और अनदेखा करने से इनके कोई अर्थ नहीं हैं । क्योंकि सरकारी स्कूल के रखरखाव और उचित देखभाल के अभाव में भवन की जितनी दुर्दशा अभी देखी जा सकती हैं शायद इसके पहले कभी नहीं देखा गया जिम्मेदारों ने अपनी नाकामी और ऐबों को छुपाने के लिए पन्नी का सहारा लिया है,जो केवल एक भद्दा मजाक को इंगित करता हैं अतएव तमाम प्रयासों के बाद भी सरकार की मंशा धरातल पर विफल हैं आज भी संसाधन और बेहतर शिक्षा के लिए गांव की शिक्षा मोहताज हैं । विभाग भले ही बेहतर व्यवस्था को लेकर कितने भी झूठे दावे कर लें किंतु सच्चाई कुछ और हैं। ऐसा ही एक मामला डिंडोरी जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर के हाईस्कूल का हैं जहां जर्जर भवन के चलते छात्र जान जोखिम में डाल शिक्षा हासिल करने मजबूर हैं ।वर्तमान में बारिश की बूंदों से बचने के लिए खिड़की पर पन्नी बांध आड़ किया गया हैं लेकिन यह वैकल्पिक व्यवस्था काफी नहीं हैं क्योंकि पूरे भवन में सीलन और दरारें उभरकर अंजाने खतरें से सावधान रहने का संकेत दे रहे मगर यहां के जिम्मेदार सच देखने सुनने को राजी नहीं है परिणामस्वरूप मौत के साये में शिक्षा ग्रहण करना छात्रों की मजबूरी बन चुका हैं।

और यदि भविष्य में कोई अप्रिय अनहोनी होती हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा यक्ष प्रश्न हैं। बहरहाल हाल ही में कस्बा के युवा भाजपा नेता भुवनेश्वर हस्तपुरिया के साथ मुकद्दम लल्लू तेकाम आदिवासी समाज के नेता ज्ञान सिंह तेकाम ,पंचपति ब्रजेश कुशराम ने हाई स्कूल का जायजा लेने पहुंचे तो पाया कि वर्तमान में भवन कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हैं ऐसे में यहां कक्षाओं का लगाना उचित नहीं हैं इन्होंने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि भवन की वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के लिए जिम्मेदारों से संपर्क कर जल्द व्यवस्था बनवाएंगे। क्योंकि दीवारों में सीलन व दरार उभर आये हैं बिजली फिटिंग के बोर्ड बटन टूटे पड़े हैं इनके कारण पंखे और बल्ब बंद हैं गंदगी और साफ-सफाई का भी अभाव हैं।विघार्थी यहां बैठकर पढ़ने में डरते हैं बरसात में छत से पानी टपकता हैं । लिहाजा ऐसे अव्यवस्थित माहौल में स्वच्छ मानसिकता से शिक्षा अध्ययन करना विघार्थियों के लिए चुनौती बन रहा हैं,।

डरें सहमे रहते हैं - गौरतलब हैं कि लगभग दो सैकड़ा से ऊपर की दर्ज संख्या वाले सरकारी हाईस्कूल की भवन में कमजोर दीवार के साथ अन्य हिस्सों में लगातार हो रहें टूट फूट को देखकर और हमेशा उन्हें इस बात का डर रहता हैं कि कोई अप्रिय स्थिति न बने और वह सभी सही सलामत घर पहुंचे वह पढ़ाई के दौरान क्लास में डरें सहमे रहते हैं। गौरतलब हैं कि बाल मन में डर और भय पाल कर कितना अच्छा शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे और आगे क्या कमाल कर पाएंगे सोचनीय हैं। यघपि सुविधाओं के अभाव में शिक्षा के क्षेत्र में इनके पारंगत होकर प्रशिक्षित होने की कल्पना करना बेमानी हैं।

अभिभावकों में नाराजगी -हाई स्कूल में शुद्ध पेयजल और शौचालय में नियमित साफ सफाई की कमी जैसे अव्यवस्था को लेकर यहां के अभिभावकों में काफी नाराजगी देखी जा रही है उनका कहना हैं कि जब सरकार स्कूलों में सारे संसाधन उपलब्ध कराने गंभीर है तो फिर यहां व्यवस्था बनाने में क्यों रुचि नहीं लिया गया उन्होंने इसके लिए जिम्मेदारों को गलत ठहराकर उनकी भूमिका पर सवाल उठाया है इनका कहना था कि कार्यालय में बैठे बैठे निर्देशों को अमलीजामा पहनाने वाले जवाबदार मैदानी हकीकत देखने नहीं आतें तभी तो स्कूलों का ये हाल हैं जिम्मेदारों की विसंगति का परिणाम है कि उनके बच्चे संसाधन से अभावग्रस्त सरकारी स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं ।और विभाग के जिम्मेदार कागज में सब बढ़िया बताकर अपनी पीठ खुद थपथपा रहें हैं।

व्यवस्था बनाओ साहब - अभिभावकों व स्थानीय नागरिकों का कहना हैं कि जिम्मेदारों की अनदेखा पक्ष के चलते समस्या बरकरार हैं। यघपि वह डर के साये में रहकर शिक्षा अध्ययन करने मजबूर हैं बावजूद इस ओर शाला प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है, ऐसे में लगातार अव्यवस्थाओं का सामना कर रहें विघार्थियों का मन अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने से कतराने लगा हैं यही वजह है कि इस स्कूल में प्रतिवर्ष दर्ज संख्या में कमी आ रही हैं।बताया गया कि स्कूल परिसर के आसपास खासकर पीछे खेत की तरफ गंदगी का आलम हैं। वहां बरसाती झाड़ियां उग आई हैं इनमें विषैले जीव जंतुओं का होने का भय छात्रों को बना रहता हैं। बावजूद छात्र ऐसे खराब वातावरण के बीच अपना भविष्य संवार रहे हैं। बहरहाल अव्यवस्थाओं से त्रस्त होकर आखिरकार इस स्कूल के विघार्थियों ने शासन प्रशासन से मांग की हैं कि रनिंग वाटर की व्यवस्था के साथ शौचालय व पेशाबघर की नियमित साफ सफाई कराई जाएं ताकि संक्रमित बीमारियों से बचाव हो ।और हाइवे से स्कूल तक पहुंचने वाले कच्चे रास्ते में पानी भरने और कीचड़ की समस्या को भी दूर किया जाए।

इनका कहना हैं

भवन जर्जर होने के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया हैं, अधिक खस्ताहाल कक्षों में ताला लगा दिया गया हैं जबकि पास ही में छात्रावास के भवन में कक्षाएं संचालित कर रहे हैं।

प्रभारी प्राचार्य मोल सिंह धुर्वे

कलेक्टर ने की स्वास्थ्य विभाग की गहन समीक्षा, मातृ व शिशु मृत्यु दर कम करने पर दिया जोर

डिंडौरी । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिले की मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने हेतु विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित किया जाए एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि आशा व एएनएम कार्यकर्ताओं की नियमित बैठकें आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा की जाए। समीक्षा के दौरान ऐसे विकासखंड जिनकी प्रगति विभिन्न पैरामीटरों में अपेक्षाकृत कम रही है, उन्हें शीघ्र सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में टीबी उन्मूलन, सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण, आयुष्मान कार्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विषयों की भी गहन समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जिले में सर्पदंश की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एक-एक सर्पदंश के मरीजों का विवरण जानने हेतु कब मरीज को सर्प ने काटा, कितनी देर बाद मरीज अस्पताल में पहुंचा और कितनी देर बाद उसका उपचार किया गया और कब उसे रेफर किया गया और किन कारण से उसकी मृत्यु हुई का प्रतिवेदन तीन दिवस के अन्दर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ताकि संबंधित पर कार्यवाही की जा सके। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, सिकल सेल, मातृ मत्यू दर, शिशु मृत्यु दर में कमजोर प्रदर्शन करने वाले एएनएम, सीएचओ, के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ बीएमओ करंजिया और बीएमओ मेंहदवानी को प्रगति कार्य में लापरवाही एवं चार एएनएम की जांच में कम प्रदर्शन होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, सिविल सर्जन डॉ. अजय राज, जपारको से जिला समन्वयक, डीएचओ 1-2, डीआईओ, डीपीएम, समस्त बीएमओ, बीपीएम, बीसीएम, बीईई, डब्ल्यूएचओ, एसएमओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा आज

तेंदूखेड़ा। संपूर्ण भारत वर्ष में हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा फहराने को लेकर चलाये जा रहे अभियान के तहत तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र में भी तिरंगा यात्रा ग्राम कोड़िया विजय स्तंभ चौक से शुरू होकर तेंदूखेड़ा के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे सच्चे दादा के स्मारक पर आकर संपन्न होगी। यात्रा के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार यह यात्रा कोड़ियां के विजय स्तंभ से सुबह 11 बजे प्रारंभ होगी 11 बजकर 20 मिनिट पर बोहानी11:30 बजे पुरगुवा11:40 बजे करपगांव दोपहर 12:00 बजे निजोर दोपहर 12:30 बजे सिहोरादोपहर 01:00 बजे खुलरीदोपहर 01:15 बजे इमझिरी दोपहर 01:30 बजे बरमान खुर्द दोपहर 01:50 बजे चांवरपाठादोपहर 02:30 बजे डोभीदोपहर 03:00 बजे इमझिरा तथा दोपहर 03:30 बजे तेंदूखेड़ा में यात्रा का समापन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व भागचंद जैन सच्चे दादा चौक पर माल्यार्पण कर किया जाएगा। सभी क्षेत्र वासियो से भव्य तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगे के सम्मान और देशभक्ति के इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील क्षेत्रीय विधायक द्वारा की गई है।

अमृत सरोवर में दिखा मगरमच्छ

तेंदूखेड़ा। विगत वर्षों में ग्राम पंचायत इमझिरा द्वारा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले उमाहा गांव में अमृत सरोवर तालाब का निर्माण कराया गया था। जिसके सुखद परिणाम आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी जल स्तर बढ़ने और मवेशियों को पीने का पानी उपलब्ध होने लगा है। इस बरसात में तालाब में एक विशालकाय मगर कही से आ गया है।जिससे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि कभी भी कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। वन विभाग को भी कई बार सूचना दी गई है लेकिन अभी तक कोई उचित कार्यवाही सुरक्षा की दृष्टि से नहीं हो सकी है।

सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ग्राम मुंगवानी मे हुई सड़क दुर्घटना व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामकुमार पिता पुष्पू लाल यादव उम्र 39 वर्ष निवासी मुंगवानी टोला की कंटेनर की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

युवक ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली के कामथ वार्ड निवासी युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुशाग्र पिता आनंद साहू उम्र 21 वर्ष निवासी इतवारा बाजार कामथ वार्ड थाना कोतवाली द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

स्वच्छता अभियान को लेकर घर घर करें सम्पर्क

पोषण आहार वितरण की हो समय सीमा सुनिश्चित: कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बैठक में हर घर तिरंगा अभियान, स्वच्छता, सीएम हेल्पलाइन, आंगनबाड़ी केन्द्र के निर्माणाधीन कार्यों और अन्य बिंदुओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, एसडीएम और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे।

शहरी क्षेत्र में बनाए जाएं सेल्फी प्वाइंट

कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले में हर घर तिरंगा अभियान की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शहरी क्षेत्र में कम से कम 5- 5 सेल्फी प्वाइंट बनाया जाए। शासन द्वारा निर्मित वेबसाइट पोर्टल पर जाकर सेल्फी को अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी जन सामान्य स्वयंसेवक के रूप में पंजीयन कर सकते हैं। इसके लिए पर जाकर स्वयं सेवक बने वाली बटन पर क्लिक करें। इसके बाद पंजीकरण पर क्लिक करें। अपनी सामान्य जानकारी दर्ज करें और आगे बटन पर क्लिक करें और स्थान संबंधित जानकारी दर्ज करें, ई- मेल आईडी एवं पासवर्ड तैयार कर सबमिट करें बटन पर क्लिक करें। इसके पश्चात पंजीकरण उपरांत स्वयं सेवक का पंजीयन पूर्ण हो जावेगा, जो पोर्टल पर प्रदर्शित होगा।

निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ बनाएं

कलेक्टर श्रीमती पटले ने सभी नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देशित किया कि स्वच्छता अभियान के तहत वार्डों में जाकर नागरिकों से चर्चा करें। नगरीय निकायों के वार्डों में भ्रमण करें और स्वच्छता के संबंध में नागरिकों को जानकारी दें। उन्होंने इस दौरान सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक दर्ज करने को कहा। उन्होंने करेली, चीचली, सांईखेड़ा के बीएमओ को सीएम हेल्पलाइन की रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संजीवनी क्लीनिक के भवनों की समीक्षा की और निर्माण कार्यों को पूरी गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान अपार आईडी, समग्र ई- केवायसी, नगरीय क्षेत्रों में पीएम आवास योजना 2.0 और जिला स्तरीय आधार कार्यों के संबंध में समीक्षा की।

पोषण वितरण में ना हो लापरवाही

कलेक्टर श्रीमती पटले ने महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण आहार वितरण के संबंध में समीक्षा की। संबंधित अधिकारी को पोषण आहार वितरण कर पोर्टल पर जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण वितरण में लापरवाही करने पर संबंधित सीडीपीओ के विरूद्ध कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने सीएमओ और सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों का निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करें, जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बेहतर सुविधाएं मिल सके। उन्होंने नवीन आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सांसद और विधायक निधि के निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने को कहा, जिससे निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण हो सके।

आरएसएस द्वारा मनाया गया रक्षाबंधन उत्सव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वामी विवेकानंद शाखा द्वारा स्थानीय शासकीय प्राथमिक ब्रांच स्कूल में रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा अपने पवित्र भगवा ध्वज में रक्षा सूत्र बांधकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया गया। स्वयंसेवकों द्वारा रक्षाबंधन उत्सव व स्नेह मिलन एवं कजलियों का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि भारत रक्षा मंच के जिलाध्यक्ष पं. श्रीकांत मिश्रा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक परितोष दुबे मुख्यवक्ता की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम मे नगर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

चिकित्सा सुविधा की बेहतरी हमारा कर्तव्य: श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर के सिविल अस्पताल में सोमवार को महिलाओं के लिए एक और महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधा का शुभारंभ किया गया। अस्पताल में अत्याधुनिक सोनोग्राफी मशीन का लोकार्पण किया गया, जिससे अब गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को समय पर जांच की सुविधा यहीं स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि "करेली सहित पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है। मरीजों को बड़े शहरों के चक्कर काटने की आवश्यकता न पड़े, यह हमारी जिम्मेदारी है इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सोनोग्राफी मशीन के आने से अब गर्भावस्था के दौरान जरूरी जांच समय पर हो सकेगी, जिससे जच्चा-बच्चा दोनों की सेहत सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। साथ ही अन्य बीमारियों जैसे पेट, लीवर, किडनी आदि की भी जांच आसानी से हो सकेगी। यह सुविधा न केवल नगर के लिए बल्कि आसपास के ग्रामीण अंचलों के मरीजों के लिए भी एक बड़ी राहत साबित होगी। अस्पताल प्रबंधन डॉ अदिति धुर्वे ने बताया कि मशीन के संचालन के लिए प्रशिक्षित तकनीशियन और चिकित्सक की व्यवस्था की गई है। इससे जांच रिपोर्ट की सटीकता बढ़ेगी और मरीजों को तत्काल परिणाम प्राप्त होंगे। अब तक सोनोग्राफी के लिए मरीजों को नरसिंहपुर या जबलपुर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी। शुभारंभ कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक नगर पालिका अध्यक्ष, सुशीला ममार उपाध्यक्ष अनीता नेमा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस सुविधा का स्वागत करते हुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

योगदान सेवा समिति के द्वारा किया गया वृहद स्तर पर वृक्षारोपण

तेंदूखेड़ा। वन प्रकृति का श्रृंगार हुआ करते हैं। और वनों से जहां वातावरण स्वच्छंद आवोहवा मिला करती है वहीं लाखों रुपए मूल्य की आक्सीजन भी निशुल्क मिलती है।कोविड की त्रासदी के समय वनों की महत्वा और आक्सीजन की आवश्यकता ने हमें यहसास भी करा दिया है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा रोपण कर उसकी सुरक्षा का संकल्प जरुर लेना चाहिए। यदि हम अपने पर्यावरण को ही सुरक्षित नहीं रखेंगे तो हमारा जीवन भी सुरक्षित नहीं रह पाएगा ।आज विश्व में ग्लोबल वार्मिंग भीषण गर्मी ऑक्सीजन की कमी जैसी गंभीर परिस्थितियां निकट आ रही हैं। जिसके कारण मानव जीवन बीमारियों से ग्रसित होता जा रहा है। वर्तमान समय में प्रत्येक परिवार में कोई ना कोई व्यक्ति अस्वस्थ नजर आ रहा है। इसी तारतम्य में अनेक सेवा भावी संगठनों एनजीओ व राज्य सरकारों द्वारा वृद्ध स्तर पर वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है । पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण के लिए तेंदूखेड़ा की योगदान सेवा समिति ने क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना रखी है ।जो विगत 2007 से हर वर्ष बरसात में बृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य करती चली आ रही है। जिसके द्वारा विगत वर्षों में तेंदूखेड़ा श्मशान घाट

शासकीय कॉलेज ग्राम पंचायत इमझिरा श्मशान घाट पहाड़ी नुमा ग्राम उमाहा कन्हेरी जैतपुर आदि स्थानों पर ट्री गार्ड सहित वृक्षारोपण के कार्य किए गए हैं। जिसके सुखद परिणाम भी वृक्षों की छाया के रुप में हमें देखने मिलने लगे हैं।हमारे प्रतिनिधि को समिति के प्रमुख अविनाश जैन ने बताया कि हमारी संस्था द्वारा 2007 से लगातार बारिश के मौसम में हर वर्ष वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाता रहा है। समिति का उद्देश्य है कि हमारे पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखना लोगों के द्वारा अपनी जन्मदिन वैवाहिक सालगिरह अपने माता-पिता की पुण्यतिथि आदि पर लोगों के द्वारा सहयोग राशि प्राप्त होती है ।उसी सहयोग राशि के द्वारा हम सभी हर वर्ष वृक्षारोपण का कार्य किया करते हैं। समीति हर साल अत्यधिक आक्सीजन प्रदान करने वाले आम पीपल नीम बरगद आदि पौधों का रोपण करते हैं और उनको वर्ष भर खाद्य पानी आदि की व्यवस्था भी समिति के सदस्यों द्वारा की जाती है ।जिस भूमि पर वृक्षारोपण किया गया था उसे भूमि के पौधे आज वृक्ष बनकर तैयार हो गए हैं। जो अच्छी ठंडी छांव देने लगे हैं। सभी वर्गों के लोगों को चाहिए कि मानव जीवन में सभी व्यक्तियों को हर वर्ष में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए यही समय हमारी समिति का उद्देश्य है। जिससे हम अपने पर्यावरण को हरा-भरा व स्वच्छ सुंदर बना सकते हैं आने वाले समय में और जितना सहयोग राशि एकत्रित होगी उसे सभी का उपयोग भी पर्यावरण के लिए समर्पित रहेगा इस वर्ष का प्रथम वृक्षारोपण कार्यक्रम ग्राम पंचायत इमझिरा शमशान भूमि में किया गया उसके उपरांत तेंदूखेड़ा शासकीय महाविद्यालय जेतपुर रोड व गुरुकुल आधार शिला इंटर नेशनल स्कूल में संपन्न हुआ आगामी वृक्षारोपण पुलिस थाना ग्राउंड तेंदूखेड़ा में आयोजित किया जाएगा।

काजलिया पर्व धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर में पूजन-अर्चन, विशाल मेला, स्मृति पूजन और महाभंडारा

गोटेगांव। विगतदिवस सावन के अंतिम पड़ाव में गोटेगांव की पावन धरती पर आस्था का ऐसा संगम उमड़ा कि हर गली, चौपाल और मंदिर प्रांगण भक्ति-रस से सराबोर हो उठा 1 सूरज की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालुओं का सैलाब श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर की ओर बढ़ने लगा। कोई आरती में डूबा था, कोई ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूम रहा था, तो कोई भंडारे में प्रसाद पाकर आत्मिक तृप्ति महसूस कर रहा था। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर में काजलिया महोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दूर-दराज के गांवों और कस्बों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीदेव ठाकुर बाबा का पूजन-अर्चन कर सुख समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में सजी आस्था की कतारें, भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि और मंत्रोच्चार का कंपन वातावरण को दिव्यता से भर रहा था। महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में विशाल मेला भी सजा, जहां ग्रामीण संस्कृति की झलक के साथ-साथ श्रद्धा और उमंग का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से लेकर देर रात तक मेला मैदान में चहल-पहल बनी रही। इस अवसर पर स्वर्गीय मणिनागेंद्रसिंह पटेल मोनू भैया की स्मृति में विशेष पूजन एवं महा भंडारे का आयोजन किया गया। मणिनागेंद्रसिंह पटेल फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस भंडारे में नगर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। स्वयंसेवकों ने पूरे भाव और समर्पण से सेवा की कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी मुलायमसिंह जी पटेल, जो वर्षों से इस आयोजन की बागडोर संभालते आ रहे हैं, उपस्थित रहे। उनके साथ मध्य प्रदेश शासन के ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलादसिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री जालमसिंह पटेल, समाजसेवी इंजीनियर सरदारसिंह पटेल और युवा समाजसेवी प्रबल पटेल भी शामिल हुए। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल काजलिया महोत्सव गोटेगांव की आस्था और एकता का अद्भुत उदाहरण है। यहां का मेला सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल और भाईचारे का प्रतीक है। वही जालम सिंह पटेल ने कहा श्रीदेव ठाकुर बाबा महाराज की कृपा से यह नगर समृद्ध और शांतिपूर्ण है। इस तरह के आयोजन हमारी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखते हैं। एवं युवा समाजसेवी प्रबल पटेल ने कहा कि हमारी पीढ़ी के लिए यह गर्व की बात है कि हम इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। बाबा महाराज के दरबार में हर कोई समान है, यही हमारी असली ताकत है। यह मेला गोटेगांव और आसपास के अंचल में सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन गोटेगांव में काजलिया देकर 'अनुरव' का त्योहार भी धूमधाम से मनाया जाता है, जो पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपरा का हिस्सा है

67वें जन्मोत्सव पर सेवा का महापर्व, स्वास्थ्य, रक्तदान और वृद्ध सम्मान का संगम

गोटेगांव। धार्मिक स्थल परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर स्थित द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के 67वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर, ईशानी देवी चिकित्सालय में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इस सेवा महोत्सव का शुभारंभ स्वयं पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य किया। शिविर में शुगर, बीपी, ईसीजी जैसी आवश्यक जाँचें की गईं और मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। कार्यक्रम में एमडी डॉक्टर अखिलेश तिवारी, डॉक्टर संतोष नेमा, डॉक्टर श्रीकांत पटेल, वैद्य डॉ. जी.के. चौबे और डॉ. मनीष गुप्ता ने अपनी सेवाएँ दीं। नरसिंहपुर से आई ब्लड बैंक टीम के सहयोग से रक्तदान शिविर भी आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 67 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह सेवा शिविर श्री शंकराचार्य नेत्रालय, श्री शंकराचार्य महाविद्यालय एवं बाल विद्या निकेतन के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूज्य शंकराचार्य जी महाराज के साथ आचार्य महामंडलेश्वर रामकृष्णानंद जी महाराज, निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद, ब्रह्मचारी अचलानंद, नेत्रालय प्रबंधक आनंद तिवारी अन्नू भैया, रवि त्रिपाठी, अरविंद मिश्रा सहित बड़ी संख्या में हंसी गंगा आश्रम के लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के लगभग 44 वरिष्ठजन भी विशेष आमंत्रित थे। वृद्ध माताओं को साड़ी और लिफाफा, जबकि वृद्ध पिताओं को धोती, गमछा, मिठाई और लिफाफा भेंट किया गया। वृद्धाश्रम प्रबंधन से रघुवीर तिवारी और रामकुमार तिवारी भी उपस्थित रहे। पूज्य शंकराचार्य महाराज ने आशीर्वचन में कहा जीवन का सच्चा उत्सव सेवा में है, ओर सेवा का सच्चा फल है संतोष।यह आयोजन केवल एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और मानवता की सजीव मिसाल बन गया।

श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर में एक माह से चल रहा अखंड रामायण पाठ

गोटेगांव। नगर देवता श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर में एक माह से अखंड रामायण पाठ निरंतर चल रहा है, जो कि 2003 से शुरू हुआ था। यह एक अद्भुत और प्रशंसनीय पहल है, जिसमें भगवान राम की महिमा और शिक्षाओं का प्रचार किया जाता है। अखंड रामायण पाठ एक पवित्र हिंदू परंपरा है, जिसमें 24 घंटे तक रामायण का निरंतर पाठ किया जाता है, जिससे भक्तों को आध्यात्मिक और भौतिक लाभ प्राप्त होते हैं।

अखंड रामायण पाठ के लाभ

पारिवारिक सद्भाव, समझदारी, धन और खुशी लाता हैबुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करता है- व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रयासों में सफलता सुनिश्चित करता है सत्य, साहस और धार्मिकता का आशीर्वाद लाता है

अखंड रामायण पाठ का महत्व

भगवान राम की दिव्य कथा का प्रचार करता ह- जीवन में शांति और समृद्धि प्राप्त करने में मदद करता है- अनुयायियों में ईमानदारी, वीरता और नैतिकता को प्रोत्साहित करता है

यह जानना दिलचस्प होगा कि जबलपुर के एक मंदिर में 56 साल से अखंड रामायण का पाठ चल रहा है, जो कि एक अद्वितीय और प्रेरणादायक उदाहरण है श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर अखंड रामायण समिति के सदस्यों की सेवा भावना सर्वोपरि है समिति में सभी लोग एक दूसरे का मान सम्मान एवं ईमानदारी एवं लगन से अपनी बारी का इंतजार करते हैं अखंड रामायण साड़ी समिति के सदस्य जो की एक माह तक निरंतर अखंड रामायण में अपनी निस्वार्थ सेवा देते रहते हैं उनके नाम इस प्रकार है जय शंकर तिवारी नीलकठ तिवारी गंगाराम तिवारी मुलायम यादव डालचंद पटेल इटारसी वाले पंडित जी. रामचरण ठाकुर बडडू छतर सिह परैल मास्टर दसरथ पटेल शिक्षक नाहर पटैल राजेन्द्र पटेल शिक्षक शंकर सिंग पटेल छिड़की

रामकिशोर पूरन पटेल, शोदित यादव मोहित यादव लोकेश सोनी आशू जैन अभिषेक राय रिषी ठाकुर पुष्पेन्द ठाकुर रित्तू राजपूतअमन राजपूत राजा ठाकुर दिलीप दुबे बैरागी हाकम सिंग पटैल पवन यादव महेश सोनी मनोहर राजपूत मातबर पटेल विवेक नामदेव दिनेश पाण्डे आदि सहयोग सहयोगी सहयोगियों का सहयोग हर वर्ष रामायण समिति को हमेशा प्राप्त होता रहता है जन्माष्टमी पर रामायण की समाप्ति पर समिति की तरफ से हवन एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी समिति सदस्य सहयोगी हवन पूजन कार्यक्रम एवं भंडारे में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करते हैं।

वीतरागी भगवान ने जो कुछ भी कहा है हमें उस पर शंका नहीं करनी चाहिए -प्रबुद्धसागर

गोटेगांव। व्यक्ति को यदि अपनी आत्मा का को पवित्र करना है तो सबसे पहले उसे परिग्रह छोड़ना होगा। जब तक परिग्रह की कलुष्ता उसके साथ रहेगी तब तक वह व्यक्ति अपनी आत्मा को पवित्र नहीं कर सकता है। जब आप परिग्रहों को छोड़ते हो तभी आपके तप करने का कार्य सही होता है। तप में कोई पराधीनता नहीं होती, तप तो स्वाधीन होता है। शरीर का दमन करना तप नहीं कहलाता बल्कि वह हिंसा कहलाता है। लेकिन इंद्रियों और इच्छाओं का दमन करना ही असली तप, आत्म कल्याण तप कहलाता है। ध्यान रखना कि तप का लक्ष्य अपने शरीर को सुखाना नहीं बल्कि अपने कर्मों को जलाना होना चाहिए। शरीर को जबरदस्ती कष्ट देना विवेकपूर्ण कार्य नहीं है। यह बात गोटेगांव नगर में विराजमान मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने उपस्थित श्रावकों से कहीं। मुनि श्री ने कहा मानव शरीर अपवित्रताओं की खान है किंतु वीतरागी प्रभु सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र के धारक हैं इसलिए वह पवित्र हैं। सम्यक दर्शन की निर्मलता के द्वारा ही उन्होंने निर्दोष पवित्रता प्राप्त की है। इसलिए वीतरागी भगवान ने जो कुछ भी कहा है हमें उस

पर शंका नहीं करनी चाहिए। सम्यक दृष्टि का अपने पुण्य पर विश्वास होता है। वह इच्छाओं का दास नहीं होता। जब मनुष्य की दृष्टि में मूढता नहीं रह जाती जो कि आगम सम्मत ही बात होती है ,तो वह व्यक्ति आगम अनुसार बात पर विश्वास करता है। वह कभी भी किसी भी परिस्थिति में अन्यजन की देखा देखी में कोई मूढ़ता के कार्य पर ना तो विश्वास करता और ना ही वह कार्य करता है। व्यक्ति की दृष्टि कभी भी विवेकहीन नहीं होना चाहिए।